भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2273

15 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा

2273. श्री दिलेश्वर कामैत:
श्री संजय काका पाटील:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार देश भर में प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना करने और इस प्रयोजनार्थ योजनाएं शुरू करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त केन्द्रों की स्थापना कब तक किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) सरकार द्वारा देश भर में प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और

(ङ) सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): चूंकि जन स्वास्थ्य राज्य का एक विषय है, इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा केंद्रों की स्थापना संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के दायरे में आती है। वर्तमान में, प्राकृतिक चिकित्सा केंद्रों को स्थापित करने के लिए योजना शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ): आयुष मंत्रालय अपने दो स्वायत्त निकायों, नामत: केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देता है। सीसीआरवाईएन योग और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान और विकास के लिए शीर्ष निकाय है। एनआईएन, प्राकृतिक चिकित्सा का एक प्रमुख संस्थान है, जो योग और प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करता है।

सीसीआरवाईएन और एनआईएन की गतिविधियां और कार्यक्रम क्रमशः www.ccryn.gov.in और ninpune.ayush.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

सीसीआरवाईएन के तहत, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के दो केंद्रीय अनुसंधान संस्थान झज्जर, हरियाणा और नागमंगला, कर्नाटक में स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, एनआईएन के तत्वावधान में, 'निसर्ग ग्राम' नामक 250 बिस्तरों वाले शैक्षणिक अस्पताल के साथ एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना पुणे महाराष्ट्र में की गई है।

इसके अलावा, मंत्रालय द्वारा एक सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) योजना तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा सहित आयुष पद्धतियों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों तक पहुंचना है। आईईसी योजना के तहत सार्वजनिक कार्यक्रमों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों, शिविरों और टीवी, रेडियो पर कार्यक्रमों, प्रिंट-मीडिया आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों का समर्थन किया जाता है।

इसके अलावा, मंत्रालय देश में विभिन्न आयुष पद्धतियों (प्राकृतिक चिकित्सा सहित) के विकास और प्रचार के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है और उनके राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय की दो अन्य केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं, अर्थात् आयुर्ज्ञान और आयुर्स्वास्थ्य योजनाएं भी प्राकृतिक चिकित्सा सहित आयुष पद्धतियों के अनुसंधान और प्रचार में शामिल हैं, जिनका विवरण आयुष मंत्रालय की वेबसाइट यानी www.ayush.gov पर उपलब्ध है।

(ङ) : चालू वर्ष के साथ पिछले तीन वर्षों में एनआईएन, पुणे और सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली को आवंटित धनराशि संलग्नक-I के रूप में सारणीबद्ध है।

*****

संलग्नक-I

चालू वर्ष के साथ पिछले तीन वर्षों में एनआईएन, पुणे और सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली को आवंटित धनराशि

(रु. लाख में)

वर्ष	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
एनआईएन, पुणे को आवंटित बजट	10276.00	6761.00	6563.00	3430.00
सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली को आवंटित बजट	4830	5744	8762	10357.00